>

Title: Need to renovate the grave of freedom fighter Abbas Tayyad.

श्री सतपाल महाराज: सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से इस सदन का ध्यान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सेनानायक, महान देशभक्त तथा गांधी जी के सहयोगी स्वर्गीय श्री अब्बास तय्यब जी की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। 1 फरवरी, 1854 को बड़ौदा के एक संभ्रान्त परिवार में जन्मे अब्बास तय्यब 21 वर्ष की आयु में प्रथम भारतीय बैरिस्टर हुए और लगभग आठ वर्ष तक शीर्षस्थ वकील रहने के उपरांत बड़ौदा उच्च न्यायालय के न्यायाधीन बने और 1913 में सेवानिवृत्त हुए। सन् 1885 में जब कांग्रेस की स्थापना हुई थी, तब से ही श्री अब्बास तय्यब कांग्रेस के सदस्य थे।

1918 में वे सपरिवार मसूरी में आकर रहने लगे। एक एकड़ में फैली उनकी साउथवुड स्टेट में कांग्रेस जनों की आवाजाही रहती थी। गर्मियों में श्री मोतीलाल नेहरू, गांधी जी, मौलाना अब्दुल कलाम आज़ाद और एनि बेसेंट सहित कई नेता उनसे मिलने आते थे। 4 मई, 1930 को जब महात्मा गांधी ने नमक सत्याग्रह में गिरफ्तारी दी, तब उन्होंने श्री अब्बास तय्यब जी को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था। गांधी जी ने अपने पत्रों में उनका उल्लेख किया है। उस समय उत्तर भारत के अलावा अहमदाबाद और बड़ौदा की गलियों में स्कूली बच्चे नारे लगाते थे - 'खरा रुपया चांदी का, राज तय्यब-गांधी का।' देश के इस महान स्वतंत्रता सेनानी तथा महान देशभक्त ने 9 जून, 1936 को मसूरी में अंतिम साँस ली और आज उनकी कब्र क्षतिग्रस्त कर दी गई है।

महोदय, मेरा आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि महान देशभक्त श्री अब्बास तय्यब जी की कब्र को पुरातत्व संरक्षित स्मारक घोषित कर उसके पुनर्निर्माण के लिए आवश्यक कार्रवाई शीघ्र की जाए।